।। इन्द्राक्षीस्तोत्रम् ।।

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई–४

॥ इन्द्राक्षीस्तोत्रम् ॥



खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई.

संस्करण : दिसंबर २०१५, सवंत् २०७२ मूल्य : १० रुपये मात्र।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,

खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग, बम्बई-४०० ००४.

Printers & Publishers

Khemraj Shrikrishnadass

Prop: Shri Venkateshwar Press, Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.

Web Site : http://www.khe-shri.com E-mail : khemraj@vsnl.com

Printed by Sanjay Bajaj for M/s Khemraj Shrikrishnadass Prop. Shri Venkateshwar Press, Mumbai-400004. at their Shri Venkateshwar Press, 66 Hadapsar Industrial Estate, Pune -411 013.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीनर्मदादेव्यै नमः ॥

ॐ अस्य श्रीइन्द्राक्षीस्तोत्रमन्त्रस्य पुरन्दर ऋषिः॥ अनुष्टुप् छन्दः॥ इन्द्राक्षी देवता॥ महालक्ष्मी बीजम्॥ भुवनेश्वरी शक्तिः॥ भवानीति कीलकम्॥ मम सर्वाभीष्ट-सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः॥

॥ अथ न्यासः ॥

इन्द्राक्षी अंगुष्ठाभ्यां नमः ॥ महालक्ष्मी तर्जनीभ्यां नमः ॥ माहेश्वरी मध्यमाभ्यां नमः ॥ अम्बुजाक्षी अनामिकाभ्यां नमः ॥ कात्यायनी कनिष्ठिकाभ्यां नमः ॥ कौमारी करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ॥ एवं हृदयादि ॥ इन्द्राक्षी हृदयाय नमः ॥

महालक्ष्मी शिरसे स्वाहा ॥ माहेश्वरी शिखायै
वषट् ॥ अम्बुजाक्षी कवचाय हुम् ॥
कात्यायनी नेत्रत्रयाय वौषट् ॥ कौमारी
अस्त्राय फट् ॥ ॐ ह्रां हृदयाय नमः ॥
ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा ॥ ॐ ह्रूं शिखाय
वषट्॥ ॐ ह्रैं कवचा हुम् ॥ ॐ ह्रौं नेत्रत्रयाय
वौषट्॥ ॐ ह्रः अस्त्राय फट्॥

॥ अथ दिग्बन्धः ॥

प्राच्यै दिशे नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥

आग्नेय्यै दिशे नमः ॥ अग्नये नमः ॥

याम्यायै दिशे नमः ॥ यमाय नमः ॥

नैर्ऋत्य दिशे नमः ॥ नैर्ऋत्याय नमः ॥

प्रतीच्यै दिशे नमः ॥ वरुणाय नमः ॥

वायव्यै दिशे नमः ॥ वायवे नमः ॥

उदीच्यै दिशे नमः।। कुबेराय नमः।।
ईशान्यै दिशे नमः।। ईश्वराय नमः।।
उर्ध्वायै दिशे नमः।। ब्रह्मणे नमः।।
अधरायै दिशे नमः।। अनन्ताय नमः।।
ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वरोमिति
दिग्बन्धनम्।।

॥ अथ ध्यानम् ॥

इन्द्राक्षीं द्विभुजांदेवीं पीतवस्त्रद्वयान्विताम्॥
वामहस्ते वज्रधरां दक्षिणेनवरप्रदाम्॥१॥
इन्द्राक्षीं सहस्त्रयुवतीनानालङ्कारभूषिताम्॥
प्रसन्नवदनांभोजामप्सरोगणसेविताम्॥२॥

॥ अथ मन्त्रः ॥

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं इन्द्राक्षी क्लीं श्रां ह्रीं एं

स्वाहा॥ अष्टोत्तरशतं जप्त्वा सर्वसिद्धि प्रदायकम्॥

॥ इन्द्र उवाच ॥

इन्द्राक्षी नाम सा देवी दैवतैः समुदाहृता॥ गौरी शाकम्भरी देवी दुर्गानाम्नीति विश्रुता॥१॥ कात्यायनी महादेवी चन्द्रघण्टा महातपा॥ सावित्री सा च गायत्री ब्रह्माणी

ब्रह्मवादिनी ॥२॥ नारायणी भद्रकाली
रुद्राणी कृष्णपिङ्गला॥ अग्निज्वाला रौद्रमुखी
कालरात्रिस्तपस्विनी ॥३॥ मेघश्यामा
सहस्राक्षी विकटाङ्गी जलोदरी॥ महोदरी
मुक्तकेशी घोररूपा महाबला॥४॥ अद्रिजा
भद्रजा नन्दा रोगहन्त्री शिवप्रिया॥ शिवदूती
कराली च प्रत्यक्ष परमेश्वरी॥५॥ इन्द्राणी

इन्द्ररूपा च इन्द्रशक्तिपरायणा ।। सदा
सम्मोहिनी देवी सुन्दरा भुवनेश्वरी ।।६।।
एकाक्षरी परब्रह्म स्थूलसूक्ष्मप्रवर्द्धिनी ।।
वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी ।।७।।
श्रुतिः स्मृतिर्धृतिर्मेधा विद्या लक्ष्मीः
सरस्वती ।। अनन्ता विजया पूर्णा मानस्तोका
पराजिता ।।८।। भवानी पार्वती दुर्गा

हैमंत्यंबिका शिवा ।। शिवा भवानी रूद्राणी
शङ्करार्द्धशरीरिणी ।।९।। एतैर्नामपदैर्दिव्यैः
स्तुता शक्रेण धीमता ।। आयुरारोग्यमैश्वर्य्यं
ज्ञानवित्तं यशोबलम् ।।१०।। शतमावर्त्तये-
द्यस्तुमुच्यते व्याधिबन्धनात् ।। आवर्तन
सहस्रंतुलभते वांछितं फलम् ।। राजानं च
समाप्नोति इन्द्राक्षीं नात्र संशयः ।।

नाभिमात्रे जले स्थित्वा सहस्रपरि-
संख्यया ।।१२।। जपेत्स्तोत्रमिदं मन्त्रं
वाचासिद्धिर्भवेद्ध्रुवम् ।। सायंप्रातः पठेन्नित्यं
षण्मासैः सिद्धिरुच्यते ।।१३।। संवत्सर-
मुपाश्रित्य सर्वकामार्थसिद्धये ।। अनेन
विधिना भक्त्या मन्त्रसिद्धिः प्रजायते ।।१४।।
सन्तुष्टा च भवेद्देवी प्रत्यक्षं संप्रजायते ।।

अष्टम्यां च चतुर्दश्यामिदं स्तोत्रं
पठेन्नरः ॥१५॥ धावतस्तस्य नश्यन्ति
विघ्नसंख्या न संशयः॥ कारागृहे यदा बद्धो
मध्यरात्रे तदा जपेत् ॥१६॥ दिवसत्रय-
मात्रेण मुच्यते नात्र संशयः॥ सकामो जपते
स्तोत्रं मन्त्रपूजा विचारतः ॥१७॥ पंचा-
धिकैर्दशादित्यैरियं सिद्धिस्तु जायते॥ रक्तपुष्पै

रक्तवस्त्रै रक्तचन्दनचर्चितैः ॥१८॥ धूपदीपैश्च
नैवेद्यैः प्रसन्ना भगवती भवेत् ॥ एवं संपूज्य
इन्द्राक्षीमिन्द्रेणपरमात्मना ॥१९॥ वरं लब्धं
दितेः पुत्रा भगवत्याः प्रसादतः ॥२०॥

॥ हरिः ॐ तत्सत् ॥

॥ इति श्रीमदिन्द्रोक्तमिन्द्राक्षीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ शुभमस्तु ॥

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थान :

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
७ वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर, मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष/फैक्स-०२२-२३८५७४५६.

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट,पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष-०२०-२६८७१०२५, फैक्स -०२०-२६८७४९०७.

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डिंग,
जूना छापाखाना गली, अहिल्यावाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष - ०२५१-२२०९०६१.

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१.
दूरभाष - ०५४२-२४२००७८.

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थान :

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
७ वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर, मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष/फैक्स-०२२-२३८५७४५६.

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष-०२०-२६८७१०२५, फैक्स -०२०-२६८७४९०७.

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डिंग,
जूना छापाखाना गली, अहिल्याबाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष - ०२५१-२२०९०६१.

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१.
दूरभाष - ०५४२-२४२००७८.

KHEMRAJ SHRIKRISHNADASS

